

सामान्य हिन्दी - RAS MAINS PAPER 04 - UNIT 01

RAS मुख्य परीक्षा, प्रश्नपत्र-4, खंड-अ (90 अंक)



**NEW INDIA
EDUCATION (NIEd)**

— संकल्प आपका, साथ हमारा —

“भाषा,
सिर्फ अभिव्यक्ति नहीं
विचारों की शक्ति है”



Paper IV – इकाई I

सामान्य हिन्दी

(कुल अंक 90)

शुद्ध भाषा | स्पष्ट विचार | सफल अभिव्यक्ति

भाग अ (अंक 30)

- 01 उपसर्ग एवं प्रत्यय (शब्दों में से पृथक् करना)
- 02 समश्रुत भिन्नार्थक शब्द (वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करना)
- 03 शब्द शुद्धि
- 04 वाक्य शुद्धि
- 05 मुहावरे (प्रयोग से अर्थ स्पष्ट)
- 06 कहावत/लोकोक्ति (प्रयोग से अर्थ स्पष्ट)
- 07 पारिभाषिक शब्दावली (प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थी हिन्दी पारिभाषिक शब्द)

भाग ब (अंक 30)

- 08 संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण का लगभग एक-तिहाई शब्दों में, शब्द सीमा ~150 शब्द)
- 09 पल्लवन (किसी सूक्ति/कव्य पंक्ति/प्रसिद्ध कथन का भाव विस्तार, ~100 शब्द)
- 10 अनुवाद (अंग्रेजी अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद, ~ 50 शब्द)

भाग स (अंक 30)

- 11 पत्र-लेखन (सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, आदर्शशासकीय पत्र, अनुस्मारक, प्रतिवेदन/रिपोर्ट)
- 12 प्रारूप-लेखन (अधिसूचना, निविदा सूचना, परिपत्र, प्रेस विज्ञापित, कार्यालय ज्ञापन)

विचार
लेखन
प्रशासन
अभिव्यक्ति
सफलता



लिखो
सोचो
समझो
सफल बनो ...

By
OMKAR SIR
MENTOR & EDUCATOR



परीक्षा उन्मुख
सामग्री



सरल भाषा
स्पष्ट व्याख्या



प्रशासनिक दृष्टि से
उपयोगी



लेखन कौशल
का विकास



उत्तम लेखन
में उत्कृष्टता

हिन्दी सशक्त
तो अभिव्यक्ति सशक्त
तो भविष्य सशक्त

अध्याय 00

सामान्य हिन्दी — परिचय एवं परीक्षा-रणनीति

RAS मुख्य परीक्षा, प्रश्नपत्र-4, खंड-अ (90 अंक)

"भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, प्रशासन की आत्मा है" — RAS मुख्य परीक्षा में जिस प्रश्नपत्र को अधिकांश अभ्यर्थी "स्कोरिंग" कहकर हल्के में ले लेते हैं, वही प्रश्नपत्र-4 (सामान्य हिन्दी) अंतिम चयन-सूची में निर्णायक साबित होता है। जब सामान्य अध्ययन के तीनों प्रश्नपत्रों में अंक लगभग बराबर आ जाते हैं, तब यही 90 अंकों वाला खंड मेरिट में आपको बाकी अभ्यर्थियों से आगे या पीछे कर देता है। पिछले सालों के अनुभव से यह स्पष्ट है कि जो अभ्यर्थी व्याकरण, मुहावरे-लोकोक्ति और पत्र-प्रारूप लेखन को व्यवस्थित रूप से तैयार करते हैं, वे यहाँ 70 से 80%+ अंक आसानी से ले आते हैं — जबकि तैयारी टाल देने वाले अभ्यर्थी यहीं पिछड़ जाते हैं। इस अध्याय में हम सामान्य हिन्दी की पूरी संरचना, इसका महत्व और तैयारी की ठोस रणनीति समझेंगे, ताकि आगे आने वाले सभी 12 अध्यायों को सही दिशा में पढ़ा जा सके।

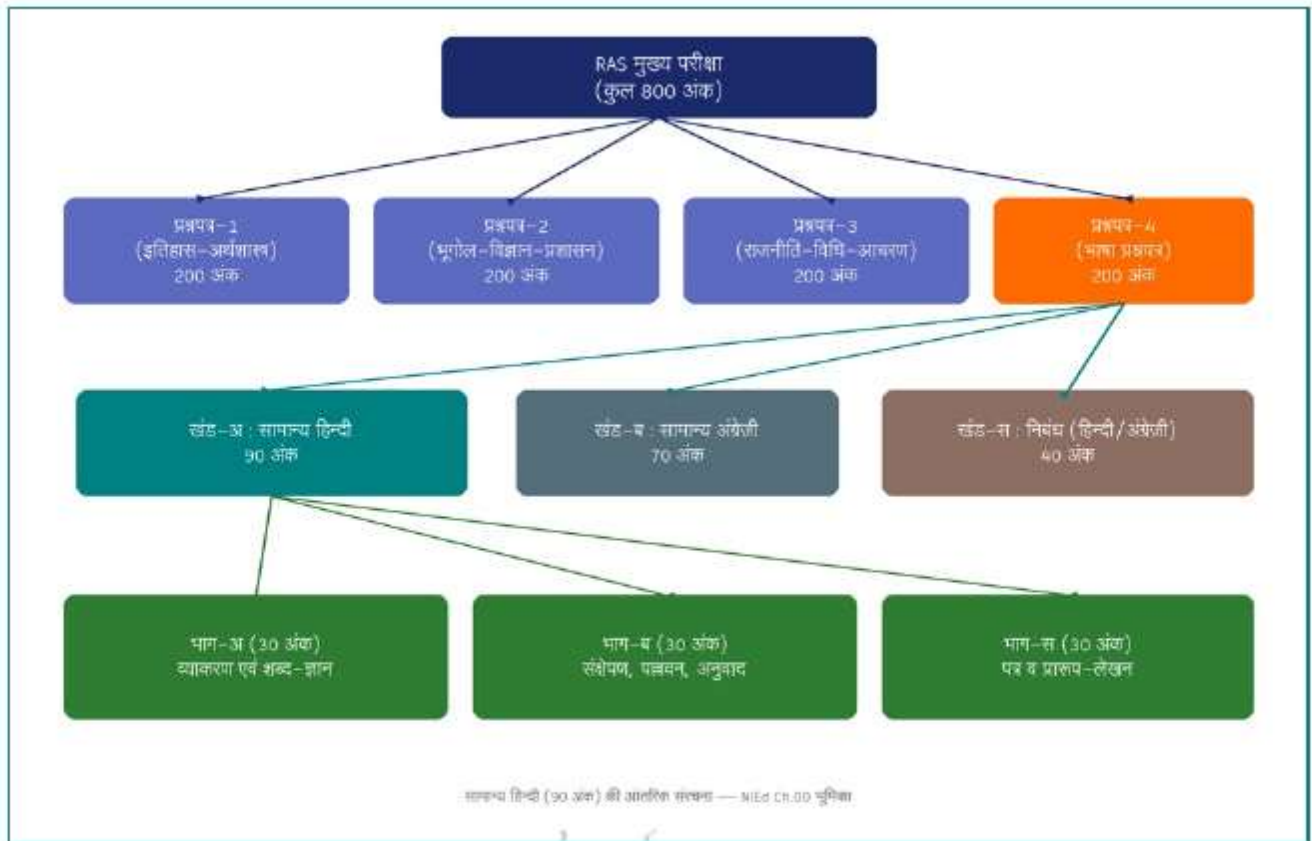
इस अध्याय में

1. RAS मुख्य परीक्षा की संरचना में प्रश्नपत्र-4 का स्थान
2. सामान्य हिन्दी (90 अंक) का विस्तृत syllabus विश्लेषण
3. यह प्रश्नपत्र इतना महत्वपूर्ण क्यों है (Scoring एवं Qualifying पक्ष)
4. RAS मुख्य परीक्षा पैटर्न 2026 में हुए प्रमुख बदलाव
5. सामान्य हिन्दी की तैयारी हेतु समग्र रणनीति (अध्याय-वार दृष्टिकोण)
6. हमारे 12 अध्यायों की संपूर्ण रूपरेखा

1. RAS मुख्य परीक्षा की संरचना में प्रश्नपत्र-4 का स्थान

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) द्वारा आयोजित RAS मुख्य परीक्षा (Rajasthan Administrative Service Main Examination) में कुल चार वर्णनात्मक (Descriptive) प्रश्नपत्र होते हैं, जिनमें से प्रत्येक 200 अंकों का होता है और जिसकी अवधि 3 घंटे निर्धारित है। इस प्रकार मुख्य परीक्षा कुल 800 अंकों की होती है, तथा साक्षात्कार (Interview) 100 अंकों का होता है — अर्थात् अंतिम चयन कुल 900 अंकों के आधार पर होता है।

प्रश्नपत्र	विषय	अंक	अवधि
प्रश्नपत्र-1	सामान्य अध्ययन-I (इतिहास, कला-संस्कृति, अर्थशास्त्र)	200	3 घंटे
प्रश्नपत्र-2	सामान्य अध्ययन-II (भूगोल, विज्ञान-तकनीक, प्रशासन)	200	3 घंटे
प्रश्नपत्र-3	सामान्य अध्ययन-III (राजनीति, विधि, नैतिकता-आचरण)	200	3 घंटे
प्रश्नपत्र-4	सामान्य हिन्दी + सामान्य अंग्रेज़ी + निबंध	200	3 घंटे



चित्र 1: RAS मुख्य परीक्षा में प्रश्नपत्र-4 (भाषा प्रश्नपत्र) की आंतरिक संरचना

प्रश्नपत्र-4 का आंतरिक विभाजन

खंड	विषय	अंक
खंड-अ	सामान्य हिन्दी	90
खंड-ब	सामान्य अंग्रेज़ी (General English)	70
खंड-स	निबंध (हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में, ~600 शब्द, 6 विषयों में से चयन)	40

⚠ ध्यान दें

हमारे इन 12 अध्यायों में केवल खंड-अ अर्थात "सामान्य हिन्दी" (90 अंक) को कवर किया जा रहा है। खंड-ब (सामान्य अंग्रेज़ी) एवं खंड-स (निबंध) पृथक अध्ययन-सामग्री के अंतर्गत आते हैं और इस श्रृंखला का भाग नहीं हैं।

🔑 मुख्य शब्द

प्रश्नपत्र-4 | 800 अंक | खंड-अ/ब/स | साक्षात्कार 100 अंक | 900 अंक अंतिम चयन

2. सामान्य हिन्दी (90 अंक) का विस्तृत syllabus विश्लेषण

सामान्य हिन्दी खंड को RPSC के आधिकारिक पाठ्यक्रम में तीन बराबर भागों — भाग-अ, भाग-ब तथा भाग-स — में बाँटा गया है, प्रत्येक भाग 30 अंकों का है। यह विभाजन इस बात का प्रमाण है कि तीनों भाग समान महत्त्व रखते हैं और किसी एक भाग की अनदेखी करना समग्र स्कोर को सीधा नुकसान पहुँचाता है।

भाग-अ : भाषिक ज्ञान एवं व्याकरण (30 अंक)

क्र.	विषय	संबंधित अध्याय
1	उपसर्ग एवं प्रत्यय (शब्दों में से पृथक् करना)	अध्याय-1
2	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द (वाक्य-प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करना)	अध्याय-2
3	शब्द शुद्धि (वर्तनी एवं शब्द-दोष सुधार)	अध्याय-3
4	वाक्य शुद्धि (वाक्य-दोष सुधार)	अध्याय-4
5	मुहावरे (प्रयोग सहित अर्थ स्पष्ट करना)	अध्याय-5
6	कहावर्ते/लोकोक्तियाँ (प्रयोग सहित अर्थ स्पष्ट करना)	अध्याय-6
7	पारिभाषिक शब्दावली (प्रशासनिक अंग्रेज़ी शब्दों के हिन्दी पर्याय)	अध्याय-7

भाग-ब : व्यावहारिक हिन्दी-लेखन कौशल (30 अंक)

क्र.	विषय	शब्द-सीमा	संबंधित अध्याय
1	संक्षिप्तीकरण (गद्यांश का लगभग 1/3 भाग में सार)	~150 शब्द	अध्याय-8
2	पल्लवन (सूक्ति/काव्य-पंक्ति का भाव-विस्तार)	~100 शब्द	अध्याय-9
3	अनुवाद (अंग्रेज़ी अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद)	~50 शब्द	अध्याय-10

भाग-स : प्रशासनिक पत्राचार एवं प्रारूप-लेखन (30 अंक)

पत्र-लेखन	प्रारूप-लेखन
- सामान्य कार्यालयी पत्र (Official Letter) - कार्यालय आदेश (Office Order) - अर्द्धशासकीय पत्र (Demi-Official Letter/डी.ओ.) - अनुस्मारक (Reminder) - प्रतिवेदन/रिपोर्ट (Report)	- अधिसूचना (Notification) - निविदा सूचना (Tender Notice) - परिपत्र (Circular) - प्रेस विज्ञप्ति (Press Release) - कार्यालय ज्ञापन (Office Memorandum)

इन दोनों उप-भागों (पत्र-लेखन एवं प्रारूप-लेखन) को हमारी शृंखला में अध्याय-11 तथा अध्याय-12 में क्रमशः विस्तार से कवर किया जाएगा।

✿ उपसर्ग (Prefix)

परिभाषा: वे शब्दांश जो किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता जोड़ते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

सरल भाषा में: जैसे किसी नाम के आगे "श्री" या "डॉ." लगाने से उस नाम को एक खास पहचान मिल जाती है, वैसे ही शब्द के आगे लगने वाला टुकड़ा उसका अर्थ बदल देता है।

उदाहरण: "हार" शब्द में "प्र" उपसर्ग जोड़ने पर "प्रहार" बनता है — अर्थ पूरी तरह बदल गया।

✿ प्रत्यय (Suffix)

परिभाषा: वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द या नया अर्थ बनाते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

सरल भाषा में: जैसे किसी शब्द के पीछे कोई पूँछ जोड़ दी जाए और उसका रूप-रंग ही बदल जाए।

उदाहरण: "समाज" शब्द के अंत में "इक" प्रत्यय जोड़ने पर "सामाजिक" शब्द बनता है।

✿ समश्रुत भिन्नार्थक शब्द (Homophones)

परिभाषा: वे शब्द जिनका उच्चारण (सुनने में) एक-जैसा या मिलता-जुलता होता है, परन्तु उनका अर्थ और प्रायः वर्तनी (spelling) भिन्न होती है।

सरल भाषा में: जैसे फ़ोन पर एक जैसी आवाज़ वाले दो अलग-अलग शब्द सुनकर हम भ्रमित हो जाते हैं, ठीक उसी तरह ये शब्द बोलने में एक जैसे लगते हैं पर मतलब अलग होता है।

उदाहरण: "अवलम्ब" (सहारा) और "अविलम्ब" (बिना देरी के) — सुनने में मिलते-जुलते हैं पर अर्थ बिल्कुल अलग है।

✿ मुहावरा (Idiom)

परिभाषा: एक ऐसा वाक्यांश जिसका शाब्दिक अर्थ न लेकर लाक्षणिक/विशेष अर्थ लिया जाता है, तथा जो भाषा में रोचकता और प्रभावशीलता लाता है।

सरल भाषा में: जैसे "नौ दो ग्यारह होना" कहने का मतलब गिनती से नहीं, बल्कि "भाग जाना" से है — शब्दों का शाब्दिक अर्थ यहाँ काम नहीं आता।

उदाहरण: "आँखों में धूल झोंकना" का अर्थ है — धोखा देना।

✿ कहावत/लोकोक्ति (Proverb)

परिभाषा: जनसामान्य के दीर्घकालीन अनुभव, ज्ञान और नीति पर आधारित पूर्ण वाक्य, जो किसी सत्य या शिक्षा को संक्षेप में व्यक्त करता है।

सरल भाषा में: जैसे बड़े-बुजुर्गों की कही एक छोटी-सी बात में जीवन का पूरा सार छिपा होता है।

उदाहरण: "अंधा क्या चाहे, दो आँखें" — अर्थात् जो जिस वस्तु का अभावग्रस्त हो, उसे वही वस्तु मिल जाने पर संतोष होता है।

✿ पारिभाषिक शब्दावली (Technical Terminology)

परिभाषा: प्रशासनिक, वैज्ञानिक या तकनीकी क्षेत्र के अंग्रेज़ी शब्दों के लिए निर्धारित मानक हिन्दी पर्यायवाची शब्द, जिनका प्रयोग सरकारी कामकाज में एकरूपता बनाए रखने हेतु किया जाता है।

सरल भाषा में: जैसे किसी अंग्रेज़ी टर्म का सरकारी दफ़्तर में इस्तेमाल होने वाला "आधिकारिक हिन्दी नाम" — जो हर जगह एक जैसा प्रयोग होता है।

उदाहरण: Agenda → "कार्यसूची", Circular → "परिपत्र", Notification → "अधिसूचना"।

🔑 मुख्य शब्द

भाग-अ (30) | भाग-ब (30) | भाग-स (30) | उपसर्ग-प्रत्यय | समश्रुत शब्द | मुहावरे-लोकोक्ति | पारिभाषिक शब्दावली

3. यह प्रश्नपत्र इतना महत्वपूर्ण क्यों है

(अ) Qualifying एवं Merit — दोनों में भूमिका

- RPSC नियमानुसार प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 10% अंक तथा समस्त प्रश्नपत्रों में सम्मिलित रूप से न्यूनतम 15% अंक लाना अनिवार्य है — अन्यथा अभ्यर्थी अयोग्य घोषित हो सकता है (SC/ST वर्ग हेतु 5% छूट)।
- इसके साथ ही प्रश्नपत्र-4 के प्राप्तांक अंतिम मेरिट सूची में भी पूर्ण रूप से जुड़ते हैं — अर्थात् यह "केवल क्वालिफाइंग" नहीं, बल्कि मेरिट-निर्धारक प्रश्नपत्र है।

(ब) उच्च Scoring संभावना

सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों में उत्तर subjective होने के कारण मूल्यांकन में भिन्नता संभव है, जबकि सामान्य हिन्दी के अधिकतर उत्तर (व्याकरण, मुहावरे, पारिभाषिक शब्दावली) निश्चित/वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होते हैं — सही उत्तर तैयार होने पर पूर्ण अंक मिलने की संभावना अधिक रहती है। यही कारण है कि नियमित अभ्यास करने वाले अभ्यर्थी यहाँ 70-85% तक अंक ला पाते हैं, जो सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्रों की तुलना में काफी अधिक है।

(स) कम समय में अधिकतम Return

सामान्य अध्ययन के तीन प्रश्नपत्रों (600 अंक) के विशाल पाठ्यक्रम की तुलना में सामान्य हिन्दी का दायरा सीमित एवं निश्चित है — इसलिए यह प्रश्नपत्र "Highest Return on Time Invested" श्रेणी में आता है। बहुत से टॉपर्स स्वीकार करते हैं कि अंतिम एक माह में सामान्य हिन्दी के सुनियोजित रिवीज़न ने ही उनकी मेरिट में निर्णायक भूमिका निभाई।

⚠️ स्मरण रखें

सामान्य हिन्दी में अंक न आने का सबसे बड़ा कारण "कम समय दिया जाना" है, न कि "विषय कठिन होना"। सीमित पर स्पष्ट पाठ्यक्रम होने के कारण यह प्रश्नपत्र सही रणनीति से अधिकतम अंक दिलाने वाला सिद्ध होता है।

🔑 मुख्य शब्द

Qualifying + Merit | न्यूनतम 10%/15% | वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन | High Scoring | Time-Efficient

4. RAS मुख्य परीक्षा पैटर्न 2026 में हुए प्रमुख बदलाव

RPSC द्वारा RAS मुख्य परीक्षा पैटर्न में हाल में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं, जिनका सीधा प्रभाव उत्तर-लेखन शैली पर पड़ता है।

परिवर्तन का बिंदु	पूर्व व्यवस्था	वर्तमान (नई) व्यवस्था
प्रश्नों के प्रकार	2, 5 व 10 अंक के प्रश्न	केवल 5 व 10 अंक के प्रश्न (2 अंक वाले प्रश्न समाप्त)
शब्द-सीमा	स्पष्ट शब्द-सीमा निर्धारित नहीं थी	लघु उत्तर ~50 शब्द, दीर्घ उत्तर ~150 शब्द निर्धारित
मूल्यांकन	तुलनात्मक रूप से कम पारदर्शी	स्पष्ट Unit-wise विभाजन, अधिक पारदर्शी मूल्यांकन
निबंध खंड	अलग से सुनिश्चित संरचना नहीं	6 विषयों में से चयन, ~600 शब्दों में निबंध (हिन्दी/अंग्रेज़ी)

⚠️ महत्वपूर्ण

चूंकि शब्द-सीमा अब स्पष्ट रूप से निर्धारित है, अतः सामान्य हिन्दी के प्रत्येक भाग (संक्षिप्तीकरण ~150, पल्लवन ~100, अनुवाद ~50 शब्द) में इसी सीमा के भीतर सटीक, संक्षिप्त एवं सुव्यवस्थित उत्तर लिखने का अभ्यास करना अनिवार्य है — शब्द-सीमा से अधिक लिखने पर अनावश्यक समय व्यय होता है, जबकि कम लिखने पर अंक कटते हैं।

5. सामान्य हिन्दी की तैयारी हेतु समग्र रणनीति

भाग-अ (व्याकरण-आधारित) की रणनीति

1. प्रतिदिन 10-15 नए मुहावरे/लोकोक्तियाँ याद करें तथा उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग करने का अभ्यास करें — केवल अर्थ रटने से प्रश्नपत्र में वाक्य-प्रयोग वाले प्रश्न हल नहीं होते।
2. उपसर्ग-प्रत्यय एवं समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों की सूची बनाकर उसका बार-बार रिवीज़न करें — यह भाग सर्वाधिक "वस्तुनिष्ठ" होने के कारण पूर्ण अंक दिलाने की सबसे अधिक संभावना रखता है।
3. पारिभाषिक शब्दावली के लिए राजस्थान सरकार की राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित शब्दावली तथा केंद्र सरकार की "बृहत् हिन्दी शब्दकोश/प्रशासनिक शब्दावली" का नियमित अध्ययन करें।

भाग-ब (लेखन-कौशल) की रणनीति

1. संक्षिप्तीकरण एवं पल्लवन का अभ्यास सदैव "शब्द-सीमा के भीतर" लिखकर करें, तथा लिखने के बाद स्वयं शब्द गिनकर जाँच करने की आदत डालें।
2. अनुवाद के अभ्यास हेतु प्रतिदिन समाचार-पत्र के किसी एक अंग्रेज़ी अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद करें — इससे शब्द-भंडार एवं वाक्य-संरचना दोनों सुदृढ़ होते हैं।

भाग-स (प्रशासनिक लेखन) की रणनीति

1. प्रत्येक प्रकार के पत्र/प्रारूप (कार्यालय आदेश, अर्द्धशासकीय पत्र, अधिसूचना, परिपत्र आदि) का एक-एक मानक प्रारूप (Format) कंठस्थ करें — परीक्षा में प्रारूप की शुद्धता पर ही अधिकांश अंक निर्भर करते हैं।
2. वास्तविक प्रशासनिक उदाहरणों (जैसे राजस्थान सरकार की अधिसूचनाओं) का अवलोकन कर भाषा-शैली एवं संरचना को आत्मसात करें।

सामान्य (सभी भागों हेतु) रणनीति

- नियमित रूप से हिन्दी समाचार-पत्र (जैसे राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर) पढ़ें — इससे वर्तनी, वाक्य-रचना एवं शब्द-भंडार स्वाभाविक रूप से सुदृढ़ होते हैं।
- 1-3-7-30 पुनरावृत्ति (Revision) रणनीति अपनाएँ — किसी भी विषय को पढ़ने के 1, 3, 7 तथा 30वें दिन दोहराएँ, जिससे दीर्घकालीन स्मृति (Long-term Memory) मज़बूत होती है।
- प्रत्येक अध्याय पढ़ने के बाद पिछले वर्षों के प्रश्नों की प्रकृति देखकर स्वयं अभ्यास-प्रश्न बनाएँ एवं लिखित अभ्यास करें — केवल पढ़कर तैयार होना पर्याप्त नहीं है, लेखन-अभ्यास अनिवार्य है।

एक टॉपर की आदत

अधिकांश सफल अभ्यर्थी परीक्षा के अंतिम 15-20 दिनों में प्रतिदिन कम-से-कम 1 घंटा केवल सामान्य हिन्दी को समर्पित करते हैं — जिसमें मुहावरे-लोकोक्ति रिवीज़न, एक पत्र/प्रारूप का लेखन-अभ्यास तथा एक संक्षिप्तीकरण/पल्लवन का अभ्यास शामिल होता है।

6. हमारे 12 अध्यायों की संपूर्ण रूपरेखा

इस श्रृंखला के अंतर्गत सामान्य हिन्दी (90 अंक) को निम्नलिखित 12 क्रमबद्ध अध्यायों में विभाजित कर विस्तार से पढ़ाया जाएगा:

अध्याय	शीर्षक	भाग
1	उपसर्ग एवं प्रत्यय	भाग-अ
2	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द	भाग-अ
3	शब्द शुद्धि	भाग-अ
4	वाक्य शुद्धि	भाग-अ
5	मुहावरे	भाग-अ
6	कहावतें/लोकोक्तियाँ	भाग-अ
7	पारिभाषिक शब्दावली	भाग-अ
8	संक्षिप्तीकरण (Précis Writing)	भाग-ब
9	पल्लवन	भाग-ब
10	अनुवाद (अंग्रेज़ी → हिन्दी)	भाग-ब
11	पत्र-लेखन	भाग-स
12	प्रारूप-लेखन	भाग-स

⚠ अध्ययन-क्रम सुझाव

यद्यपि अध्याय किसी भी क्रम में पढ़े जा सकते हैं, तथापि भाग-अ → भाग-ब → भाग-स के क्रम में अध्ययन करना अनुशंसित है, क्योंकि भाग-अ में सीखी गई शब्द-शुद्धि एवं वाक्य-रचना भाग-ब तथा भाग-स के लेखन-कौशल की नींव तैयार करती है।

🔑 मुख्य शब्द

12 अध्याय | भाग-अ: 1-7 | भाग-ब: 8-10 | भाग-स: 11-12

📌 अध्याय सार

- ✓ RAS मुख्य परीक्षा में 4 प्रश्नपत्र (कुल 800 अंक) + साक्षात्कार (100 अंक) = 900 अंक अंतिम चयन का आधार हैं।
- ✓ प्रश्नपत्र-4 (200 अंक) के अंतर्गत सामान्य हिन्दी 90, सामान्य अंग्रेज़ी 70 तथा निबंध 40 अंकों का है।
- ✓ सामान्य हिन्दी (90 अंक) तीन बराबर भागों — भाग-अ (व्याकरण), भाग-ब (लेखन-कौशल), भाग-स (प्रशासनिक पत्राचार) — में विभाजित है, प्रत्येक 30 अंक का।
- ✓ यह प्रश्नपत्र Qualifying (न्यूनतम 10%/15%) होने के साथ-साथ मेरिट में भी पूर्ण रूप से जुड़ता है।
- ✓ सीमित पाठ्यक्रम व वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के कारण यह उच्च-स्कोरिंग एवं Time-Efficient प्रश्नपत्र माना जाता है।
- ✓ 2026 पैटर्न में शब्द-सीमा (50/150 शब्द) निर्धारित की गई है — उत्तर-लेखन इसी सीमा में करना अनिवार्य है।

✓ आगे के 12 अध्यायों में भाग-अ (अध्याय 1-7), भाग-ब (अध्याय 8-10) तथा भाग-स (अध्याय 11-12) क्रमबद्ध रूप से कवर होंगे।



By Omkar Sir



RAS

RPSC के नए सिलेबस के अनुसार
COMPLETE PRE & MAINS तैयारी
सही रणनीति • बेहतर सामग्री • पक्का चयन



RPSC
Rajasthan Public
Service Commission

आपका लक्ष्य
RAS 
हमारा संकल्प
आपकी सफलता!

RAS FOUNDATION COURSE

PRE + MAINS COMPLETE PREPARATION

- VIDEO LECTURES
Chapterwise HD Video Classes
- PDF NOTES
Detailed PDF Notes
- QUIZ PRACTICE
Topicwise MCQ Quiz
- SHORT NOTES
Exam Oriented Short Notes
- ANSWER WRITING
Mains Answer Writing Practice

 बेस मजबूत, तैयारी संपूर्ण, चयन निश्चित!

RAS PRELIMS SUPER 60

60 दिन का TASK BASED STUDY PROGRAM

- 60 DAYS TASK PLAN
Day-wise Study Plan & Tasks
- VIDEO LECTURES
Targeted Video Classes
- PDF NOTES
Chapterwise PDF Notes
- QUIZ PRACTICE
Daily & Sectional Quiz
- SHORT NOTES
Quick Revision Notes

 60 दिन की रणनीति, प्रीलिम्स पार पक्का!



RAS FREE TEST SERIES

अपनी तैयारी को दें सही परख!

कुल
18
TEST

RPSC PATTERN
के अनुसार टेस्ट

COMPLETE
SYLLABUS
COVER

DETAILED SOLUTION
के साथ

PERFORMANCE
ANALYSIS

FREE

कुल
18
TESTS
14 SUBJECT WISE
+ 4 FULL LENGTH



कोर्स से जुड़ने के लिए
आज ही डाउनलोड करें

NEW INDIA
NAV BHARAT NIRMAN **APP**

अधिक जानकारी के लिए
www.omkarsir.in

 **7023166962**

अध्याय 1

उपसर्ग एवं प्रत्यय

शब्द-रचना के दो सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ — RAS मुख्य परीक्षा भाग-अ

कल्पना कीजिए 'हार' एक शब्द है। अब उसके आगे 'आ' लगा दें तो बनता है 'आहार', 'सम्' लगा दें तो 'संहार', 'प्र' लगा दें तो 'प्रहार' और 'उपहार' में 'उप'। एक ही मूल शब्द 'हार' से चार बिल्कुल अलग-अलग अर्थ वाले शब्द बन गए — यही उपसर्ग की ताकत है! ठीक इसी तरह शब्द के पीछे 'ता', 'पन', 'ई' जैसे प्रत्यय लगाकर हम रोज़ नए शब्द गढ़ते हैं। पिछले सालों के अनुभव से कहूँ तो RAS मुख्य परीक्षा में हर वर्ष उपसर्ग-प्रत्यय से 4-6 प्रश्न सीधे पूछे जाते हैं और यह टॉपिक 'शब्द शुद्धि', 'पारिभाषिक शब्दावली' जैसे अन्य टॉपिक्स की नींव भी है। आइए इसे जड़ से समझें।

इस अध्याय में

1. उपसर्ग — परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
2. संस्कृत के मूल उपसर्ग (22) — पूर्ण सूची सहित
3. संस्कृत के अव्यय उपसर्ग
4. हिन्दी (तद्भव) के उपसर्ग
5. विदेशी (अरबी-फ़ारसी-उर्दू-अंग्रेज़ी) उपसर्ग
6. एक से अधिक उपसर्गों से बने शब्द
7. उपसर्ग सम्बन्धी भ्रम-निवारण (Confusing Pairs)
8. प्रत्यय — परिभाषा एवं भेद
9. कृत प्रत्यय — पाँच भेद सहित
10. तद्धित प्रत्यय — आठ भेद सहित
11. महत्वपूर्ण प्रत्ययों की समग्र सूची
12. उपसर्ग व प्रत्यय दोनों के योग से बने शब्द
13. RAS परीक्षा हेतु ट्रिक्स एवं रणनीति

1. उपसर्ग — परिभाषा, स्वरूप एवं भेद

✿ उपसर्ग (Prefix)

परिभाषा: वे शब्दांश जो किसी मूल शब्द के पूर्व (पहले) जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या उसमें विशेषता उत्पन्न करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। 'उप' (समीप) + 'सर्ग' (सृष्टि/निर्माण) = उपसर्ग, अर्थात् जो शब्द के समीप रहकर नए अर्थ की सृष्टि करे।

सरल भाषा में: सोचिए उपसर्ग एक 'तड़का' है — जैसे एक ही दाल में जीरे का तड़का लगाने से स्वाद बदल जाता है, वैसे ही एक ही मूल शब्द के आगे अलग-अलग उपसर्ग लगाने से अर्थ बदल जाता है।

उदाहरण: 'मान' शब्द में: अभि+मान=अभिमान, अप+मान=अपमान, अनु+मान=अनुमान, सम्+मान=सम्मान — चारों का अर्थ बिल्कुल अलग है।